

विश्वंभर वि. (तत्.) 1. विश्व का भरण-पोषण करने वाला, परमात्मा, ईश्वर 2. विष्णु 3. शंकर 4. इंद्र।

विश्वंभरा/विश्वंभरी वि. (तत्.) 1. सबका भरण-पोषण करने वाली 2. पार्वती 3. लक्ष्मी 4. पृथ्वी 5. महाशक्ति।

विश्व वि. (तत्.) 1. सर्व, समस्त, सकल, सब 2. ब्रह्मांड, चौदह भुवनों का समूह 3. संपूर्ण सृष्टि, ब्रह्मांड समूह 4. संसार, दुनिया, जगत 5. आत्मा 6. परमात्मा, विष्णु 7. शरीर 8. दस देवों का समूह 9. उत्तराषाढ़ा नक्षत्र।

विश्वकर्ता पुं. (तत्.) सृष्टिकर्ता, विश्व का रचयिता, परमात्मा, ईश्वर, ब्रह्मा।

विश्वकर्मा पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. देवयुग के एक महान शिल्पशास्त्री जिन्हें त्वष्टा नाम से भी जाना जाता है, यह शुक्राचार्य के पुत्र और देवों के प्रमुख शिल्पी थे 3. भवन निर्माण का कार्य करने वाला, राजमिस्त्री, बढ़ई, लुहार आदि 3. ईश्वर, ब्रह्मा 4. सूर्य 5. शिव।

विश्वकाय पुं. (तत्.) सारा विश्व जिसका शरीर है अर्थात् परमात्मा, विष्णु।

विश्वकोश पुं. (तत्.) एक ऐसा विशाल ग्रंथ जिसमें ज्ञान की सभी शाखाओं, प्रशाखाओं, महत्वपूर्ण व्यक्तियों, स्थानों, शब्दों, विषयों आदि की वर्णक्रमानुसार किसी एक भाषा में व्यवस्थित रूप से जानकारी दी जाती है, यह विश्वकोश किसी एक विषय पर भी हो सकता है जैसे-रसायन विश्वकोश, जीव-जंतु विश्वकोश, साहित्य, विश्वकोश, पौराणिक विश्वकोश आदि।

विश्वगंध वि. (तत्.) 1. तीव्र गंध वाला जिसकी गंध दूर-दूर तक जाती हो 2. लहसुन 3. प्याज 4. गुग्गुलु 5. लोबान।

विश्वगंधा स्त्री. (तत्.) पृथ्वी, धरती।

विश्वगुरु पुं. (तत्.) 1. जो विश्वभर में फैले बहुत बड़े समाज का गुरु/मार्गदर्शक हो 2. ऐसा व्यक्ति जिसकी शिक्षा (ज्ञान) को विश्व में माना जाता हो 3. महान अग्रणी देश जिसका अनुकरण अन्य देश भी करते हैं 4. लोकपिता, ईश्वर।

विश्व-गृहस्थ पुं. (तत्.) संपूर्ण विश्व की गृहस्थी का समान रूप से भरण-पोषण करने वाला अर्थात् ईश्वर, परमात्मा।

विश्वगोचर वि. (तत्.) जिसे सब लोग देख या जान सकते हो, सर्वगोचर, सबके लिए बोधगम्य।

विश्वगोप्ता पुं. (तत्.) विश्व का रक्षक, परमात्मा, विष्णु, विश्वगर्भ।

विश्वजन पुं. (तत्.) संसार के लोग, मानव जाति।

विश्वजनीन वि. (तत्.) संपूर्ण मानव जाति के लिए, जो विश्व के सभी लोगों से संबंधित हो।

विश्वजित वि. (तत्.) 1. जिसने विश्व को जीत लिया हो, सभी को जीतने वाला 2. एक यज्ञ जिसमें सर्वस्व दान कर दिया जाता है।

विश्वतः क्रि.वि. (तत्.) 1. संपूर्ण संसार में, सर्वत्र, सभी जगह, सभी तरफ 2. संपूर्ण विश्व की दृष्टि से।

विश्वतीर्थ पुं. (तत्.) 1. सब संसार के लिए जो तीर्थ के समान हो 2. अंतर्राष्ट्रीय तीर्थस्थान 3. लाक्ष. अत्यंत पवित्र व्यक्ति या आत्मा, जिसका विश्व सम्मान करता हो।

विश्वतोमुख वि. (तत्.) प्रत्येक दिशा की ओर मुख वाला, सर्वत्र दृष्टि रखने वाला पुं. ईश्वर, परमात्मा।

विश्वतोया स्त्री. (तत्.) गंगा नदी।

विश्वत्रय वि. (तत्.) त्रिलोक, त्रिभुवन, स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल लोक।

विश्वदेव पुं. (तत्.) 1. देवताओं का एक वर्ग, जिसमें इंद्र अग्नि आदि नौ देवता शामिल हैं, विश्व देवों को धर्मदेव और दक्षपुत्री विस्वा का पुत्र कहा जाता है 2. अग्नि।

विश्वधर वि. (तत्.) 1. विश्व को धारण करने वाला 2. विष्णु, परमात्मा।

विश्वधारिणी वि./स्त्री. (तत्.) विश्व को धारण करने वाली, पृथ्वी, धरती।

विश्वधारी वि. (तत्.) विश्व को धारण करने वाला, विश्वधर, देव, विष्णु।